

# उदयपुर में दिखी दुर्लभ प्रजाति की “एनोमालस नवाब” तितली

उदयपुर, (कास)। नैसर्गिक सौंदर्य से लकड़क समृद्ध जैव विविधता वाले मेवाड़-वागड़ अंचल में दुर्लभ कीट-पतंगों, वन्यजीवों व वनस्पति के देखे जाने का सिलसिला जारी है। इसी श्रृंखला में रविवार को उदयपुर सैक्टर 14 में एक दुर्लभ तितली “एनोमालस नवाब” देखी गई। प्रदेश के तितली

■ “एनोमालस नवाब” तितली का वैज्ञानिक नाम “चरैक्स एोरियस” है और खुले पंखों में इसका आकार 9 से 10 से.मी. होता है।

■ “एनोमालस नवाब” तितली राजस्थान में पहली बार देखी गई है। आम तौर पर प्रदेश में कॉमन नवाब तितली ही दिखाई पड़ती है।

विशेषज्ञ मुकेश पंवार ने बताया कि, सैक्टर 14 में पर्यावरणीय विषयों की जानकार और तितलियों पर शोध कर रही नेहा मनोहर ने अपने गार्डन में इस तितली को देखा। उन्होंने बताया कि यह तितली उनके गार्डन में अंजीर के फल



उदयपुर में रविवार को पहली बार दुर्लभ प्रजाति की तितली “एनोमालस नवाब” देखी गई। इस तितली की सबसे बड़ी खासियत इसका आकार है, खुले पंखों में इसका आकार 9 से 10 से.मी. होता है। सामान्यतः प्रदेश में दिखाई देने वाली “कॉमन नवाब” तितली के पंखों पर एक ही स्पॉट दिखाई देता है लेकिन “एनोमालस नवाब” के पंखों पर दो स्पॉट दिखाई पड़ते हैं तथा इसी खुबी के कारण यह अन्य तितलियों से कहीं ज्यादा सुंदर दिखती है।

से रस पीती हुई देखी और उन्होंने इसका फोटो क्लिक किया।

पंवार ने बताया कि इसका वैज्ञानिक नाम “चरैक्स एोरियस” है और खुले

पंखों में इसका आकार 9 से 10 से.मी. होता है। यह तितली आमतौर पर खेर के पेड़ पर अपनी लाईफ-साइकिल पूरा करती है और पके फलों का रस पीना

पसंद करती है। जंगल इन्हें ज्यादा पसंद है परंतु शहरी क्षेत्र में इसका दिखाई देना दुर्लभ है। उन्होंने बताया कि विश्व में पहली बार इसकी लाइफ साइकिल पर सागवाड़ा में उन्होंने ही रिसर्च की थी। उन्होंने बताया कि आमतौर पर राजस्थान में इसे कॉमन नवाब ही समझा जाता रहा है, पुराने रिसर्च पेपर्स में “एनोमालस नवाब” का उल्लेख नहीं मिलता है। राजस्थान में हमेशा ही “कॉमन नवाब” तितली दिखाई पड़ती है, “एनोमालस नवाब” राजस्थान में इससे पहले कभी देखा नहीं गया है।

उन्होंने बताया कि कॉमन नवाब को बंद पंख में देखने पर पंख के ऊपरी सिरे पर एक ही स्पॉट दिखाई पड़ता है, जबकि “एनोमालस नवाब” में दो स्पॉट होते हैं। इधर, देश के ख्यातनाम तितली विशेषज्ञ पीटर स्मिथिक ने भी उदयपुर के शहरी क्षेत्र में “एनोमालस नवाब” को देखे जाने को दुर्लभ बताया है। उन्होंने कहा कि अधिकांशतः वन क्षेत्रों में पाई जाने वाली अनामलोस नवाब तितली अधिक नमी वाले वन क्षेत्रों की अपेक्षा कम नमी वाले वनक्षेत्रों में ही दिखाई देती है।

हरियाणा भाजपा...

हरियाणा भाजपा के पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। नांगल चौधरी के पूर्व विधायक ने हरियाणा भाजपा के विधानसभा चुनाव सह प्रभारी बिन्दा कुमार देव के दिल्ली स्थित निवास पर पहुंचकर पार्टी का दामन थामा। उन्हें पूर्व मंत्री राम विलास शर्मा देव के आवास पर ले गए थे।

उन्होंने बताया कि कॉमन नवाब को बंद पंख में देखने पर पंख के ऊपरी सिरे पर एक ही स्पॉट दिखाई पड़ता है, जबकि “एनोमालस नवाब” में दो स्पॉट होते हैं। इधर, देश के ख्यातनाम तितली विशेषज्ञ पीटर स्मिथिक ने भी उदयपुर के शहरी क्षेत्र में “एनोमालस नवाब” को देखे जाने को दुर्लभ बताया है। उन्होंने कहा कि अधिकांशतः वन क्षेत्रों में पाई जाने वाली अनामलोस नवाब तितली अधिक नमी वाले वन क्षेत्रों की अपेक्षा कम नमी वाले वनक्षेत्रों में ही दिखाई देती है।

## डींग जिले के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बागीदारा में 67 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा जयपुर सहित कई स्थानों पर भी अच्छी बरसात हुई। पिछले चौबीस घंटों में सुबह साढ़े आठ बजे तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार अलवर के कटुपर में 113 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई जबकि लक्ष्मणगढ़ में 68, मालाखेड़ा में 67 एवं गोविंदगढ़ में 62 मिलीमीटर बरसात हुई।

बारों में 73, भरतपुर जिले के रुपवास में 81 एवं उच्चैन में 71, बूंदी जिले के केशवरायपाटन में 68 एवं अभयपुरा में 65, दौसा जिले के महवा में 65, डींग जिले के कामा में 75, झालावाड़ जिले के सुनेल में 82, करौली जिले के कालीसोल में 70 एवं सुरोठ में 65, खेरथल-तिजाया जिले के मंडावर में 76, कोटपुतली-बहरोड़ जिले के बहरोड़ में 88, नीमकाथाना जिले के फुलोद में 67, सिरौही जिले के मांडतआबू में 71 एवं टोंक जिले के देवली में 90 मिलीमीटर बरसात हुई।

मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी राजस्थान के कई भागों में आगामी तीन दिन मानसून सक्रिय रहने तथा ज्यादातर भागों में मध्यम एवं कहीं कहीं तेज बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान में भी आगामी दो-तीन दिनों में कुछ स्थानों पर मध्यम एवं कहीं कहीं तेज बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान में नौ सितंबर एवं पूर्वी राजस्थान में दस सितंबर से भारी बारिश की गतिविधियों में कमी होने की प्रबल संभावना है जबकि 13 सितंबर को पूर्वी राजस्थान में कहीं कहीं पर मेघगर्जन के साथ भारी वर्षा की संभावना है।

# ‘पाकिस्तान कश्मीर में आतंकवाद फैलाना बंद कर दे तो हम बातचीत के लिए तैयार हैं’

जम्मू-कश्मीर की धरती से रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को सीधा संदेश दिया

श्रीनगर, 8 सितंबर। जम्मू-कश्मीर की धरती से रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को सीधा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जिस दिन जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाना बंद कर देगा हम उससे बातचीत करने के लिए तैयार हो जाएंगे। बनिहाल विधानसभा में पार्टी का प्रचार करने

पहुंचे राजनाथ सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को लोगों की परेशानी दूर करने और क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए हटाया गया। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा सत्ता में है, यह अनुच्छेद बहाल नहीं किया जाएगा।

नेशनल कॉंग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पी.डी.पी.) ने अपने चुनावी घोषणापत्र में पाकिस्तान से बातचीत का आ न किया है। पार्टीयों का नाम लिए बिना सिंह ने कहा कि कुछ लोग चाहते हैं कि हम पाकिस्तान से बात करें। मैं उनसे कहना चाहता हूँ...पाकिस्तान को आतंकवाद को समर्थन देना बंद करना होगा।

लेकिन अपने पड़ोसी को नहीं। हम पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं, लेकिन सबसे पहले उन्हें आतंकवाद को रोकना होगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद कर देगा, तो भारत उसके साथ बातचीत शुरू करेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की चपेट में आने वालों में 85 प्रतिशत मुसलमान थे। कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं आम बात थीं। क्या आतंकवादी घटनाओं में हिंदू मारे जा रहे थे? मैं गृह मंत्री रह चुका हूँ और मुझे पता है कि आतंकवादी घटनाओं में सबसे अधिक मुसलमानों की जान गई।

नेशनल कॉंग्रेस और पीडीपी पर आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखने का आरोप लगाते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में

आतंकवाद को काफी हद तक खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम किसी भी कीमत पर आतंकी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। क्या आतंकवादियों द्वारा हिंदुओं, मुसलमानों या ईसाइयों की जान लेना आपका स्वीकार्य है?

सिंह ने सवाल किया कि जम्मू-कश्मीर में आतंक का माहौल किसने बनाया- भाजपा ने या जिन्होंने लंबे समय तक जम्मू-कश्मीर पर शासन किया? रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में बदलाव दिख रहा है, जहां आतंकवाद में कमी आई है और सड़कें, राजमार्ग और सरकारी योजनाएं केंद्र शासित प्रदेश के हर कोने तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, नेशनल कॉंग्रेस और पीडीपी ने कभी भी जम्मू-कश्मीर के साथ न्याय नहीं किया और हमेशा भेदभावपूर्ण नीतियों को आगे बढ़ाया।

## यू.ए.ई. के क्राउन प्रिंस जायद अल...

देशों के कारोबारी नेता भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत और यूएई के बीच ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। हाल के वर्षों में, भारत और यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी, राजनीतिक, व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और संस्कृति सहित कई क्षेत्रों में गहरी हुई है। क्राउन प्रिंस की यात्रा भारत-यूएई द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगी और नए तथा उभरते क्षेत्रों में साझेदारी के लिए रास्ते खोलेगी।

उधर, यूएई ने एक बयान में कहा कि शेख खालिद बरिष्ठ भारतीय अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे, ताकि प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के अवसरों का पता

लगाया जा सके। वार्ता दोनों देशों और उनके लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए पहले से हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर आधारित होगी।

उन्होंने बताया कि कॉमन नवाब को बंद पंख में देखने पर पंख के ऊपरी सिरे पर एक ही स्पॉट दिखाई पड़ता है, जबकि “एनोमालस नवाब” में दो स्पॉट होते हैं। इधर, देश के ख्यातनाम तितली विशेषज्ञ पीटर स्मिथिक ने भी उदयपुर के शहरी क्षेत्र में “एनोमालस नवाब” को देखे जाने को दुर्लभ बताया है। उन्होंने कहा कि अधिकांशतः वन क्षेत्रों में पाई जाने वाली अनामलोस नवाब तितली अधिक नमी वाले वन क्षेत्रों की अपेक्षा कम नमी वाले वनक्षेत्रों में ही दिखाई देती है।

उन्होंने बताया कि कॉमन नवाब को बंद पंख में देखने पर पंख के ऊपरी सिरे पर एक ही स्पॉट दिखाई पड़ता है, जबकि “एनोमालस नवाब” में दो स्पॉट होते हैं। इधर, देश के ख्यातनाम तितली विशेषज्ञ पीटर स्मिथिक ने भी उदयपुर के शहरी क्षेत्र में “एनोमालस नवाब” को देखे जाने को दुर्लभ बताया है। उन्होंने कहा कि अधिकांशतः वन क्षेत्रों में पाई जाने वाली अनामलोस नवाब तितली अधिक नमी वाले वन क्षेत्रों की अपेक्षा कम नमी वाले वनक्षेत्रों में ही दिखाई देती है।

# ममता बनर्जी के खिलाफ पार्टी सांसद खुलकर मुखर हुये

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने कोलकाता रेप एवं मर्डर के विरोध में रविवार को संसद से इस्तीफा देने की घोषणा की

कोलकाता, 8 सितंबर (वार्ता)। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के विरोध में रविवार को संसद से इस्तीफा देने की घोषणा की और कहा कि वह राजनीति भी छोड़ देंगे। सरकार ने तृणमूल सुप्रीमो एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लिखे पत्र में उनसे राज्य की

सुरक्षा के लिए ‘कुछ’ करने का आग्रह किया। उन्होंने दो पत्रों में कहा, मैं वर्तमान परिस्थितियों में (पार्टी में) और नहीं रह सकता। राज्यसभा सांसद ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को सांसद पद छोड़ने के अपने फैसले के बारे में सूचित करने के लिए पत्र लिखा है और जल्द ही राज्यसभा के सभापति से मिलकर अपना त्यागपत्र सौंपेंगे।

पूर्व नौकरशाह ने कहा, मैंने सोचा था कि आप चल रहे आंदोलन में पुरानी

ममता शैली में हस्तक्षेप करेंगी, लेकिन मैंने ऐसा नहीं देखा। उन्होंने डॉक्टर की कथित हत्या के बाद के घटनाक्रमों से निपटने के राज्य सरकार के तरीके की आलोचना की। सरकार ने दावा किया कि श्रद्धाचर के बारे में राज्य सरकार की उदासीनता के कारण उनका मोहभंग हो गया है। उन्होंने कहा कि उनका परिवार उन पर न केवल राज्यसभा बल्कि राजनीति से भी इस्तीफा देने के लिए दबाव डाल रहा है।



## नि-क्षय मित्र बनाएं, टीबी हराएं

09 सितम्बर - 02 अक्टूबर, 2024

### टीबी उन्मूलन के लिए जन-भागीदारी का अभियान

टीबी रोगियों की सहायता का संकल्प लें



**श्री नरेन्द्र मोदी**  
माननीय प्रधानमंत्री

## प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान



**श्री भजनलाल शर्मा**  
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

### नि-क्षय मित्र बनने के लिए

- ▶ <https://communitysupport.nikshay.in> पर लॉगिन करें।
- ▶ अपनी सुविधानुसार नि-क्षय सहायता के लिए रोगियों का चयन करें।
- ▶ 'प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान' पर क्लिक करें।
- ▶ टीबी रोगियों को मासिक पोषण किट देकर और जाँच व रोजगार से जुड़ी मदद करके अपना योगदान दें।
- ▶ Ni-kshay Mitra Registration Form पर रजिस्ट्रेशन करें।

### हमारे गाँव, टीबी ना पसारे पाँव

- आपकी जान पहचान/मित्र/रिश्तेदार/पड़ोसी किसी को भी लगातार खांसी, बुखार, भूख कम लगनाए वजन कम होना एवं बलगम में खून आना आदि लक्षण हो तो तुरन्त उन्हें टीबी की जांच कराने हेतु प्रेरित करें।
- राज्य के सभी चिकित्सा संस्थानों पर टीबी रोग की निःशुल्क जांच एवं उपचार सुविधा उपलब्ध है।
- सक्रिय टीबी रोगी खोज अभियान में स्वास्थ्य कर्मियों की सहायता करें और टीबी उन्मूलन में अपना योगदान दें।
- ग्राम पंचायत/वाड़/तहसील/जिला को टीबी मुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी बढ़ाएं।

- नि-क्षय मित्र बनें और टीबी रोगियों की सहायता करने का संकल्प लें।
- कोई भी सामान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, धर्मगुरु, गैर सरकारी संस्थान, राजकीय कर्मचारी, व्यावसायिक संस्थान नि-क्षय मित्र बन सकते हैं।
- टीबी रोगियों से निभाएं अपनापन।
- टीबी से उपचारित रोगी ‘टीबी चैम्पियन’ बन नए टीबी रोगियों को उपचार पूर्ण करने में सहयोग करें एवं प्रेरित करें।
- पौष्टिक भोजन करें और स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं।



## राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान